गैर कानूनी ढंग से कारखाने को बन्द कर दिया, जो स्थिति आज तक चालू है। मजदूरों को बेरोजगार बनाकर दरदर का भिखारी तो बना ही दिया गया, उनकी गाढ़ी कमाई का 20 दिनों के वेतन का भी अब तक भुगतान नहीं किया गया है। फलस्वरूप मजदूर और उनके परिवार के हजारों लोग भुखमरी के शिकार हैं। कारखाने की बंदी से सूत के उत्पादन का भी नुक्सान हो रहा है।

मजदूरों की ओर से कारखाने को खुलवाने के लिए राज्य सरकार का दरवाजा बारबार खटखटाया जा चुका है, पर कोई नतीजा नहीं निकला। अतः भारत सरकार के वाणिज्य मंत्री से मेरा अनुरोध होगा कि वह कारखाने को खोलने के लिए मालिकों पर दबाव डालें अन्यथा सरकार उसे अपने अधीन लेकर चालू करे, मालिकों पर मुकदमा चलाये और मजदूरों को बकाया दिलवा दिया जाये ताकि हजारों व्यक्तियों की भुखमरी से रक्षा की जा सके और सूत का उत्पादन चालू हो।

(iv) Need for more quota of wheat and other foodgrains for Ghazipur district, U.P.

श्री जैनुल बशर (गाज़ीपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, उत्तरप्रदेश का गाजीपुर जिला सन् 1982 की गंगा नदी की भयंकर बाढ़ और सूखे से पीड़ित रहा है। वहां की खरीफ की फसल नहीं के बराबर हुई है और रबी की पूरी फसल की बुवाई नहीं हो पायी है। उक्त जिले में राहत कार्य को शुरू नहीं किया गया, न ही किसानों को तकावी, उर्वरक पर छूट और रोजगार की कोई व्यवस्था की गई।

इस समय उक्त जिले के शहरों और गांवों की दुकानों पर गेहूं उपलब्ध नहीं है, जब कि उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रति व्यक्ति 8 किलो गेहूं दिये जाने की घोषणा की है, केवल शहरों में एक किलो प्रति व्यक्ति गेहूं मिलता है। गांवों में तो अधिकांश लोगों को मिल ही नहीं पाता। इसका कारण यह है कि गेहूं का अलाटमैंट उक्त जिले के लिये काफी कम किया गया है, संभवतः केन्द्र से उत्तर प्रदेश को भी गेहूं का अलाटमैंट बहुत कम हुआ है।

इसका नतीजा यह हुआ है कि खुले बाजार में गेहूं का भाव 300 रुपये प्रति क्विंटल से भी अधिक पहुंच गया है, जो साधारण आदमियों की खर्च शक्ति के बाहर है।

यदि यही स्थिति चालू रही तो उक्त जिले के लोग भुखमरी के कगार पर खड़े हो जायेंगे और इस बात की आशंका बढ़ सकती है कि अनाज के लिये दंगे भी शुरू हो जायें। मेरा सरकार से अनुरोध है कि युद्ध स्तर पर गाजीपुर में गेहूं और दूसरे अनाज पहुंचाये जायें और वहां बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार देने के लिये राहत कार्य शुरू किये जायें।

(v) Canditions of Service of Emplyyees of Family Welfare Department in U.P. . .

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी का ध्यान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश में कार्यरत तीस हजार से अधिक महिला एवं पुरुष पैरा-मैडिकल कर्मचारियों तथा अधिकारियों